

भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 141

(जिसका उत्तर सोमवार दिनांक 3 फरवरी, 2025/14 माघ, 1946 (शक) को दिया जाना है।)

निवेश के रुझानों में परिवर्तन

141. श्री नवीन जिंदल:

क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

- (क) क्या पिछले दशक में म्यूचुअल फंड में निवेश में 100 प्रतिशत से अधिक तथा पेंशन और इक्विटी फंड में लगभग 70 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है और यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;
- (ख) क्या यह सच है कि सावधि जमा, बचत और चालू खाता जमा राशि में कमी आई है और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं; और
- (ग) उक्त प्रवृत्तियों का अर्थव्यवस्था पर क्रमशः अल्पावधि, मध्यमावधि और दीर्घावधि में क्या प्रभाव पड़ा है?

उत्तर

वित्त राज्य मंत्री (श्री पंकज चौधरी)

(क): पिछले दशक में इक्विटी मार्केट, म्यूचुअल फंड और पेंशन फंड में निवेश में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इक्विटी जारी करके जुटाई गई राशि 2013-14 के अंत में 0.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 के अंत में 1.97 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 9.2% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) को दर्शाती है। म्यूचुअल फंड प्रबंधन के तहत आस्तियां (एयूएम) 2013-14 में 8.25 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 20.5% की सीएजीआर के साथ 53.41 लाख करोड़ रुपये हो गई है। राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली (एनपीएस) और अटल पेंशन योजना (एपीवाई) का एयूएम 2013-14 में 0.48 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 37.6% की सीएजीआर के साथ 11.73 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इस वृद्धि का श्रेय निवेशकों के बीच बढ़ती जागरूकता, तीव्र डिजिटलीकरण, प्रौद्योगिकी आधारित उपयोगकर्ता-अनुकूल निवेश तंत्र, मजबूत आर्थिक विकास संभावनाओं और निवेश को आसान बनाने के लिए वित्तीय क्षेत्र के विनियामकों द्वारा किए गए उपायों को दिया जा सकता है।

(ख): चालू और बचत खाता जमा राशि 2014-15 में 31.51 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 84.69 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 168.7% की वृद्धि दर्शाती है। सावधि जमा राशि

2014-15 में 59.59 लाख करोड़ रुपये से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 128.9 लाख करोड़ रुपये हो गई है, जो 116.4% की वृद्धि दर्शाती है।

(ग): म्यूचुअल फंड, इक्विटी और पेंशन फंड में निवेश की बढ़ती प्रवृत्ति ने वित्तीय समावेशन और वित्तीय बाजारों में पूंजी अन्तर्वाह जिसके परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में नकदी में वृद्धि हुई है तथा बाजार की स्थिति सुदृढ़ हुई है और पूंजी सृजन में घरेलू बचत की भागीदारी बढ़ी है। उच्च पेंशन और इक्विटी निवेश से व्यक्तियों की पूंजी आवश्यकताओं के बेहतर प्रबंधन और उनके जीवन स्तर में सुधार की भी उम्मीद है। ये रुझान दीर्घकालिक आर्थिक विकास और संपत्ति सृजन के लिए सतत संसाधन उपलब्ध कराने में वित्तीय बाजारों की भूमिका को मजबूत करते हैं।
